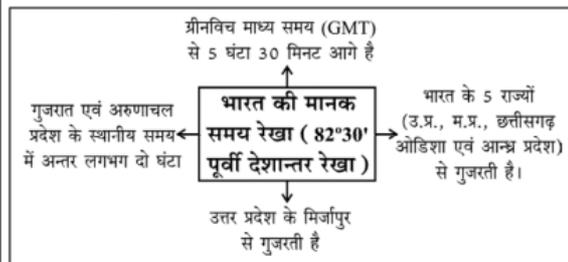
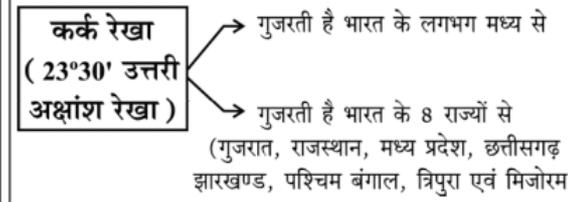
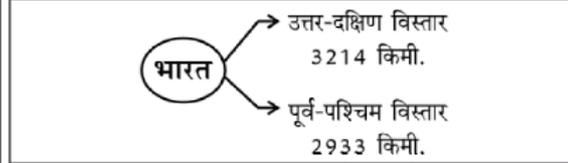
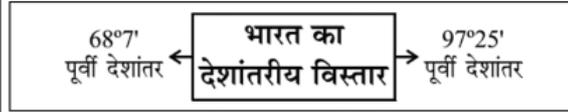
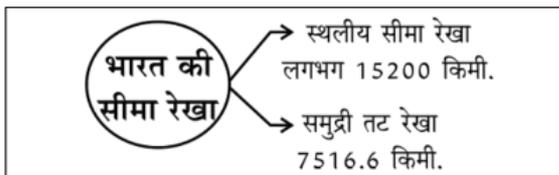
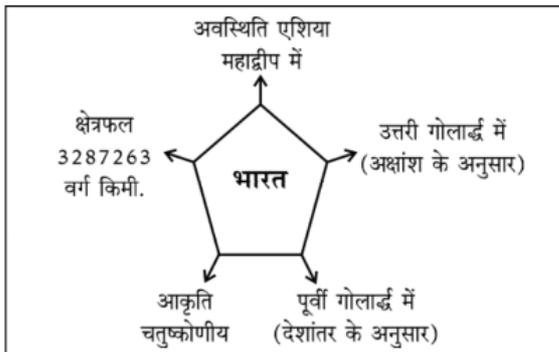
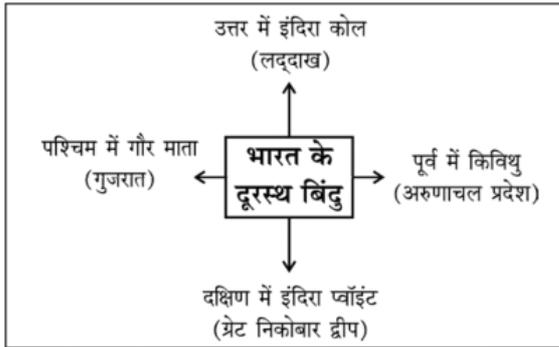
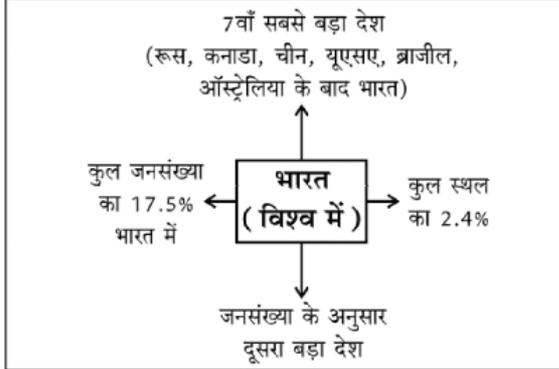


भूगोल (भारत एवं विश्व)

भारत का भूगोल

भारत का सामान्य परिचय



भारत के पड़ोसी देश तथा उनसे लगे भारतीय राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश

पड़ोसी देश	सीमा की लम्बाई (किमी. में)	भारतीय राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश
चीन	3488.00	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
पाकिस्तान	3323.00	लद्दाख, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात

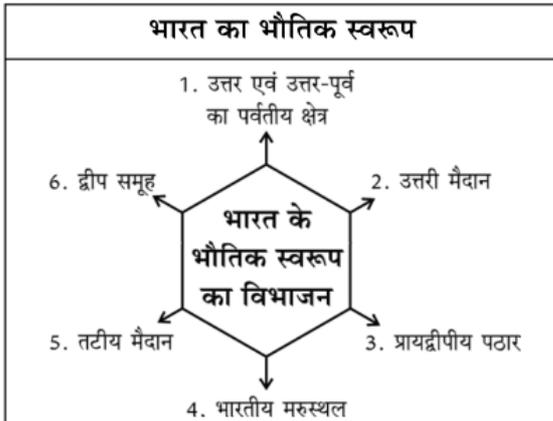


बांग्लादेश	4096.07	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
नेपाल	1751.00	उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम
म्यांमार	1643.00	अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम
भूटान	699.00	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
अफगानिस्तान	106.00	लद्दाख

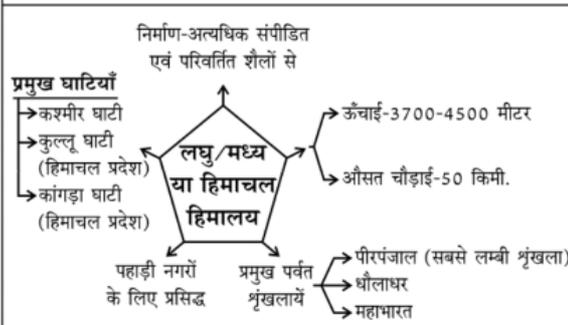
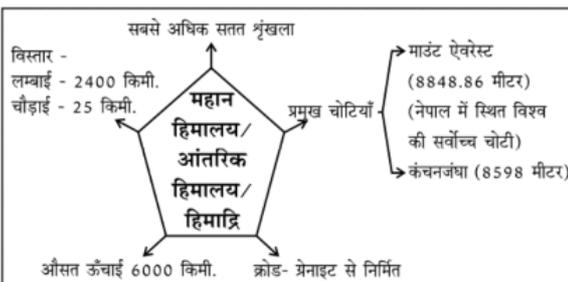
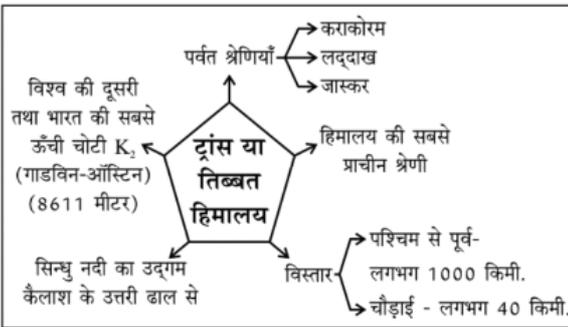
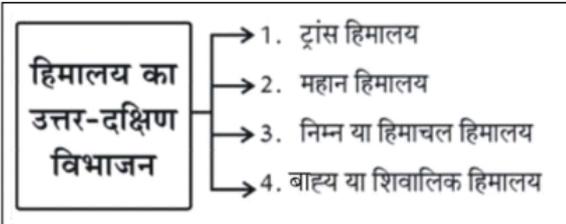
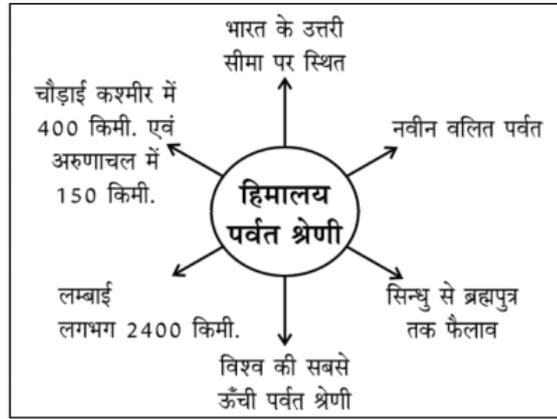
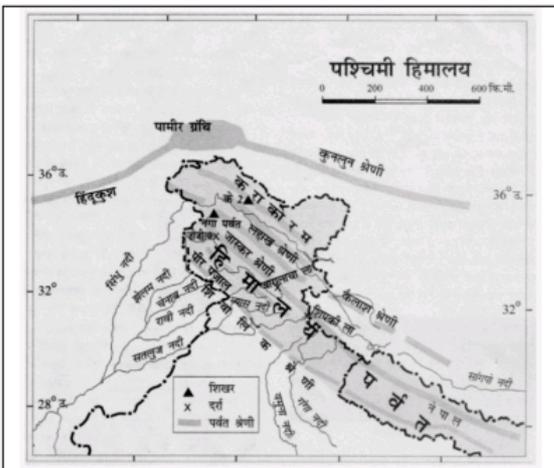
- भारत की सबसे लम्बी स्थलीय सीमा बांग्लादेश के साथ तथा सबसे छोटी स्थलीय सीमा अफगानिस्तान के साथ है।
- भारत के स्थलीय सीमा से लगे पड़ोसी देशों की संख्या 7 है।

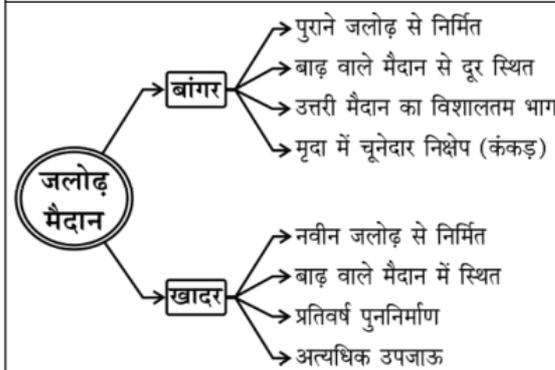
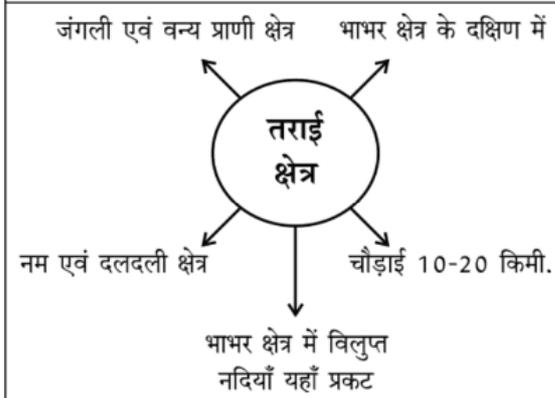
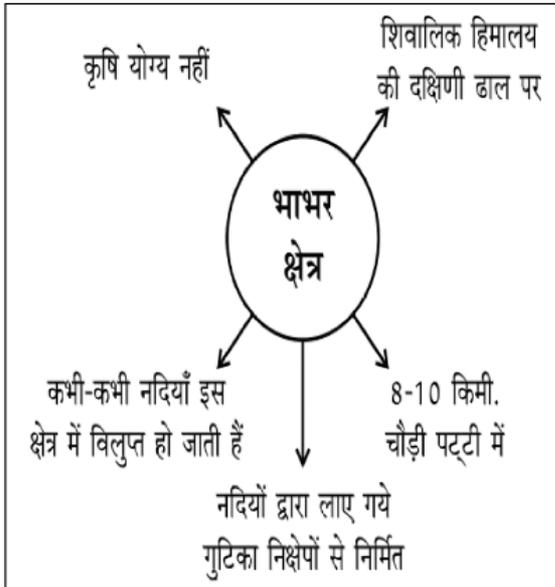
सीमा रेखा	किनके बीच
रेडक्लिफ रेखा	भारत एवं पाकिस्तान
मैकमोहन रेखा	भारत एवं चीन
डूरंड रेखा	भारत एवं अफगानिस्तान

- दक्षिण में समुद्र पार भारत के दो पड़ोसी देश श्रीलंका एवं मालदीव हैं।
- भारत एवं श्रीलंका के बीच में स्थित पाक जलसंधि मन्नार की खाड़ी एवं बंगाल के खाड़ी के मध्य स्थित है।



भारत का पर्वतीय क्षेत्र



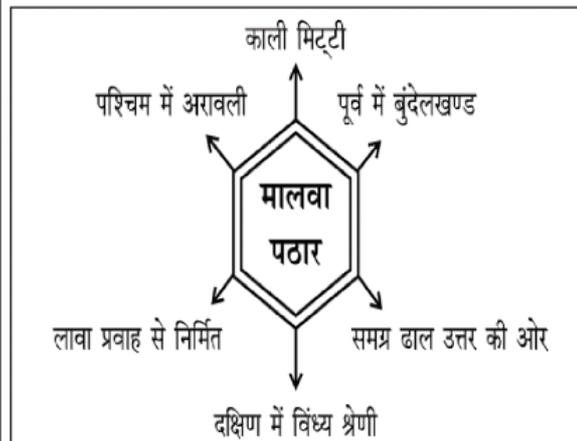
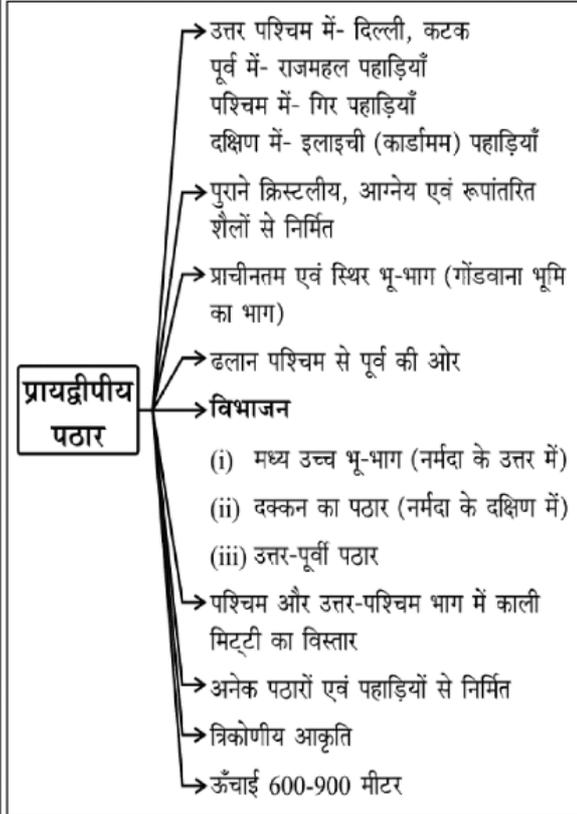


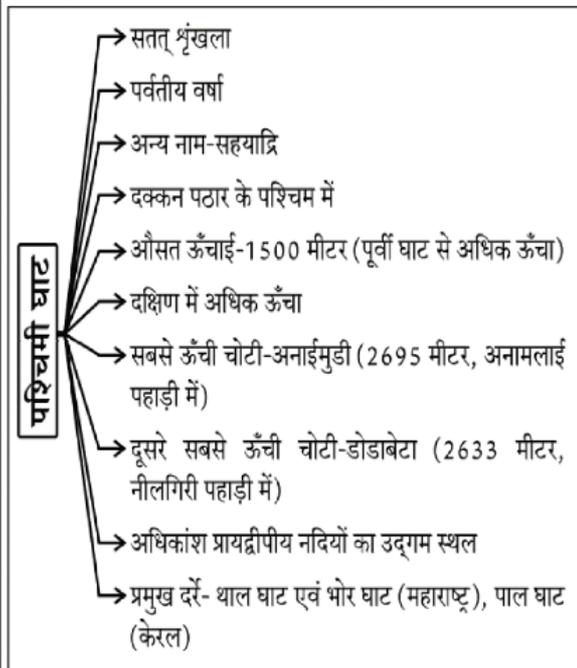
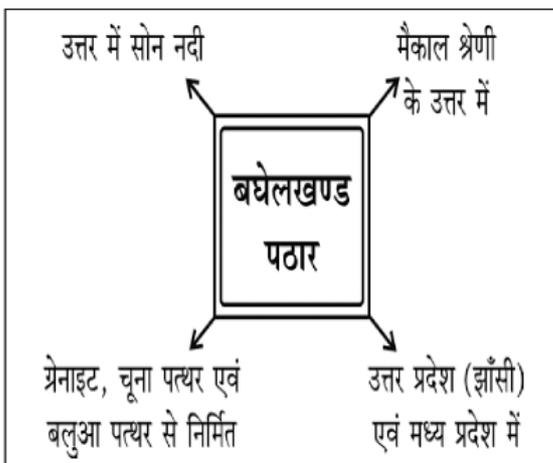
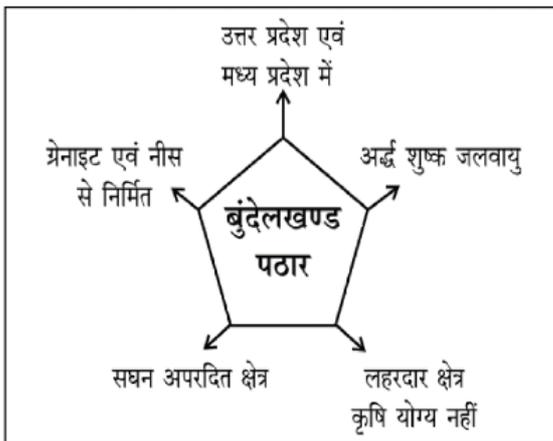
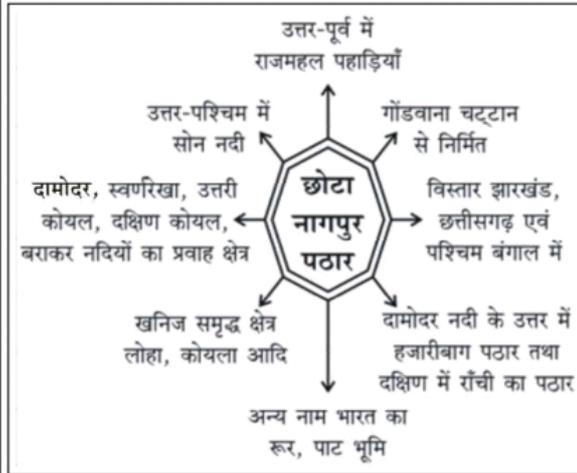
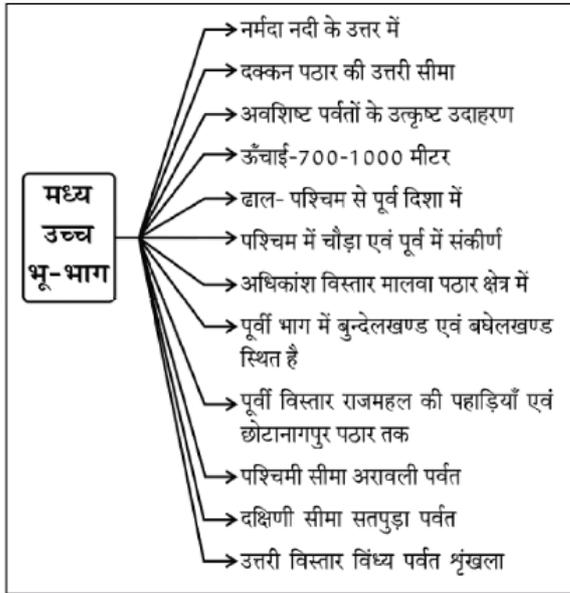
उत्तरी भारत के मैदान का सामान्य विभाजन

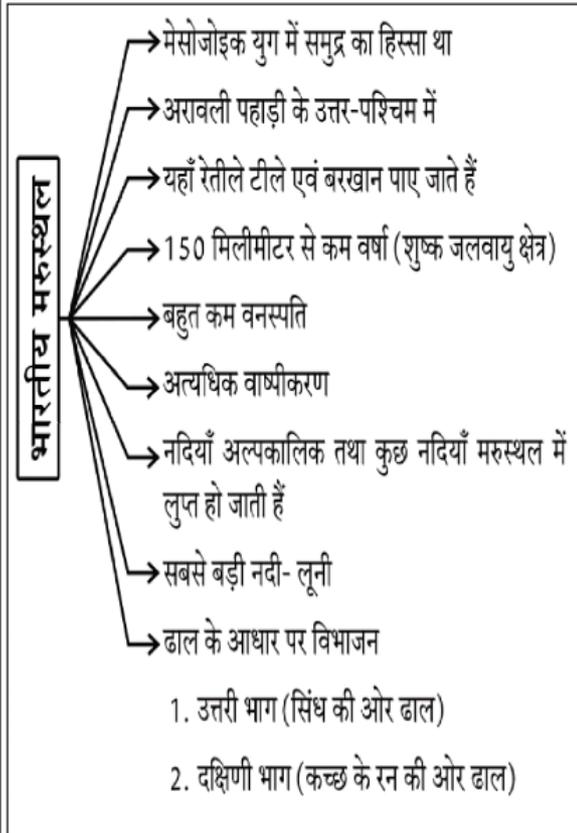
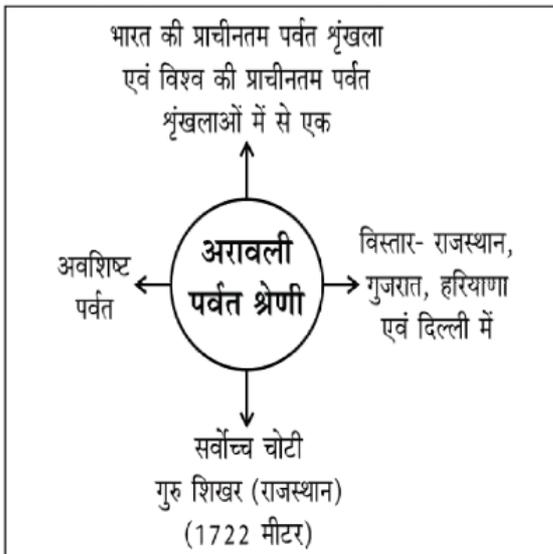
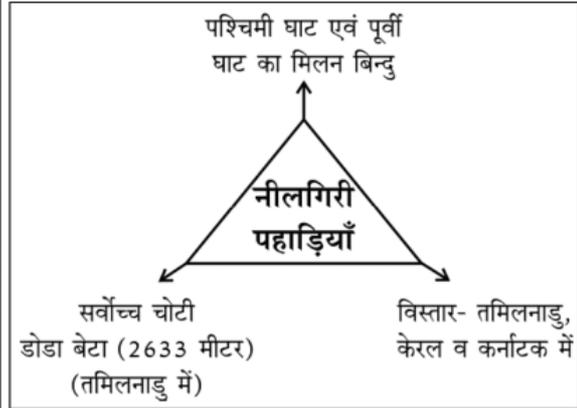
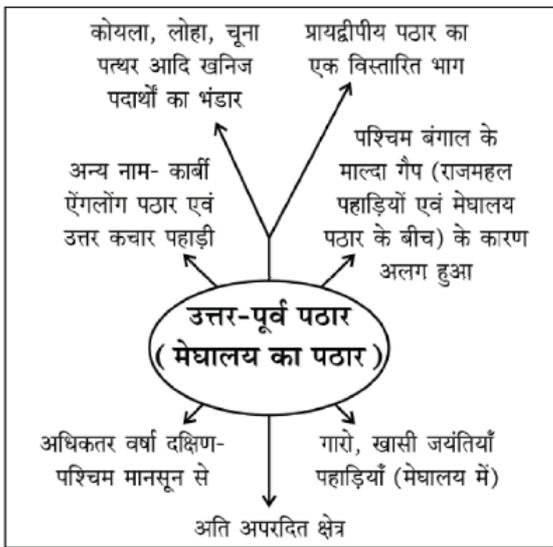
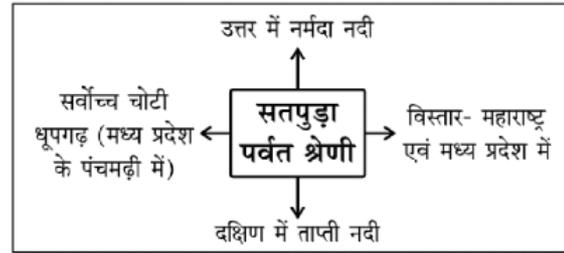
	पंजाब का मैदान	गंगा का मैदान	ब्रह्मपुत्र का मैदान
निर्माण	सिन्धु एवं इसकी सहायक नदियों द्वारा	गंगा एवं इसकी सहायक नदियों द्वारा	ब्रह्मपुत्र एवं इसकी सहायक नदियों द्वारा

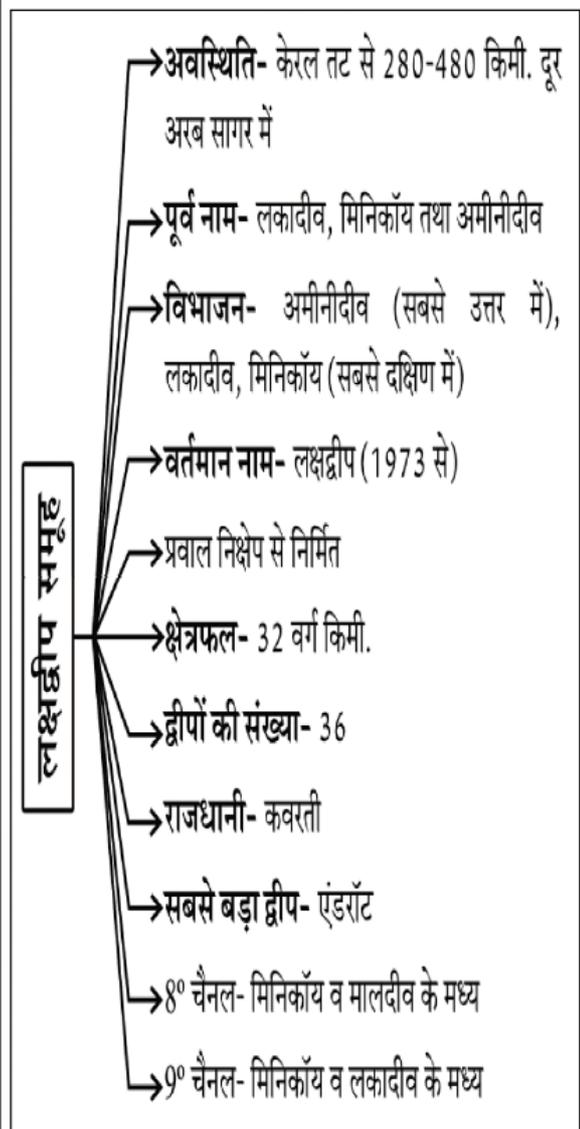
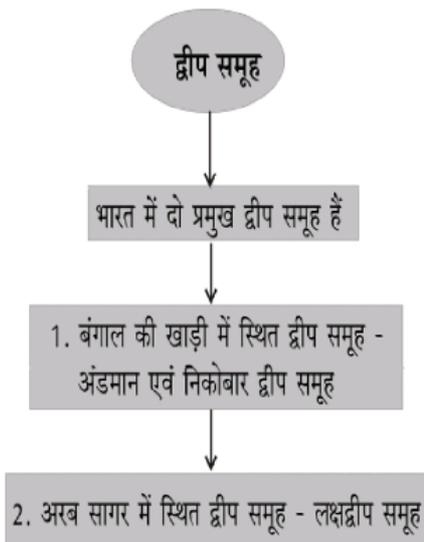
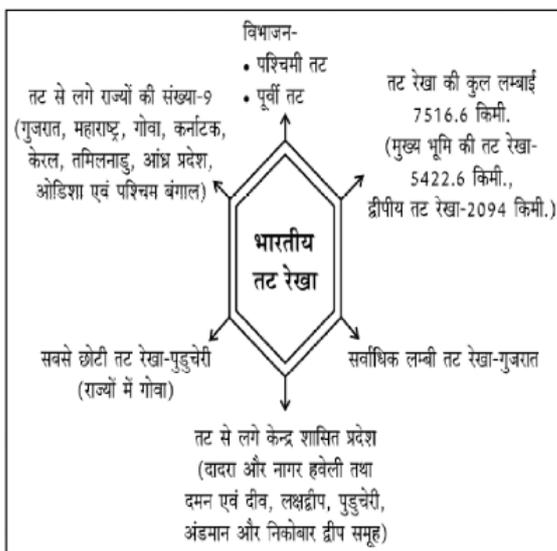
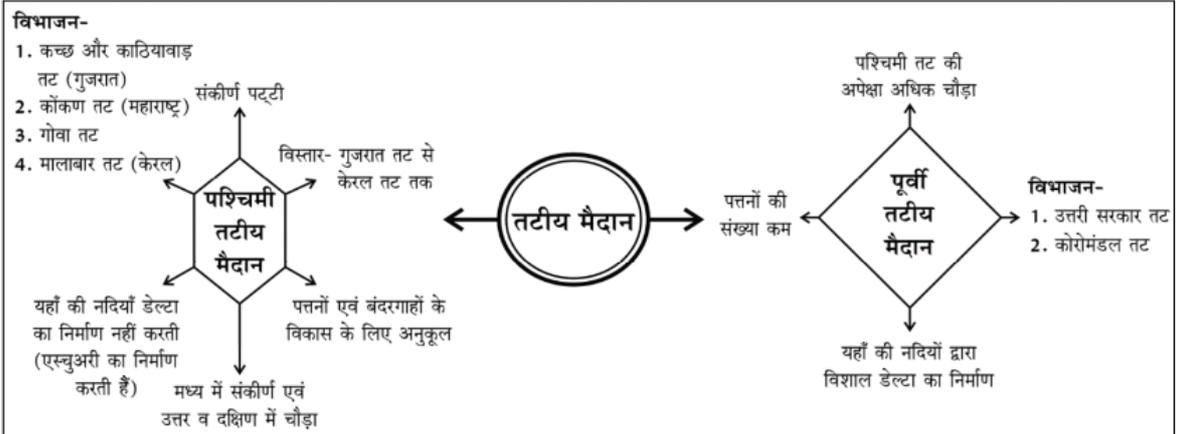
विस्तार	पंजाब में	घघर एवं तीस्ता नदी के मध्य में (हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड एवं पश्चिम बंगाल में)	विशेषकर असम
---------	-----------	---	-------------

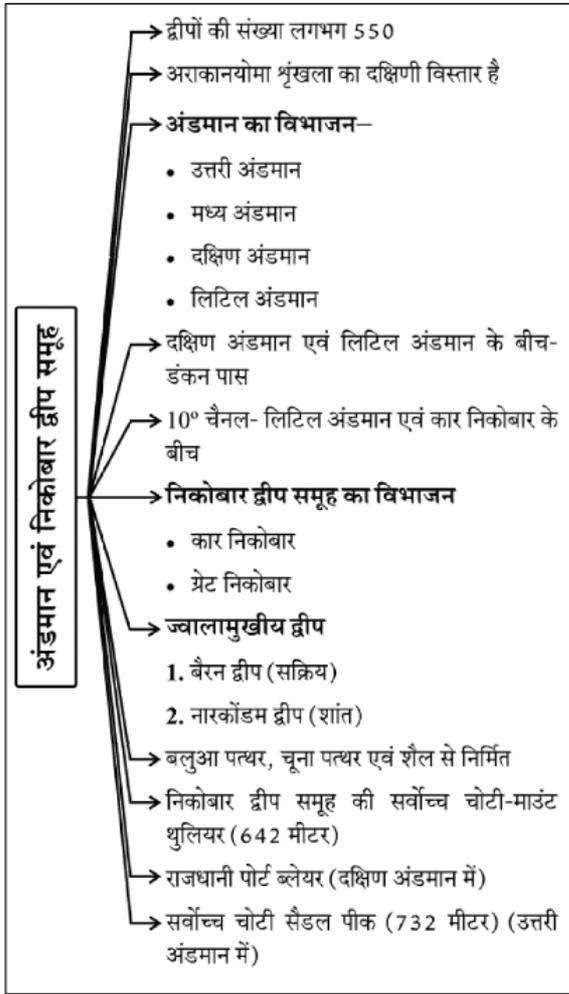
प्रायद्वीपीय पठार







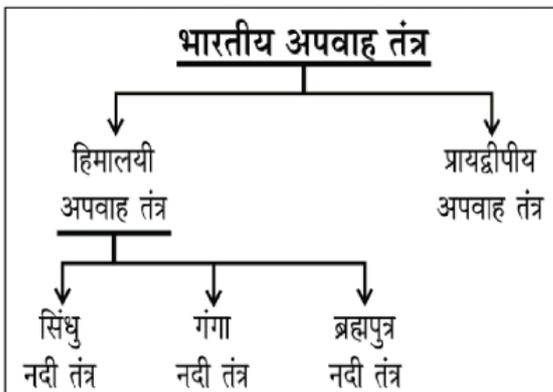




अपवाह तंत्र

अपवाह (Drainage) – निश्चित वाहिकाओं (नदी, नाले आदि) के माध्यम से हो रहे जलप्रवाह को अपवाह कहते हैं।

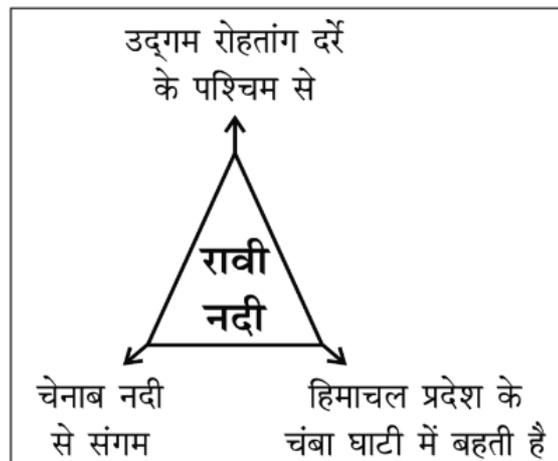
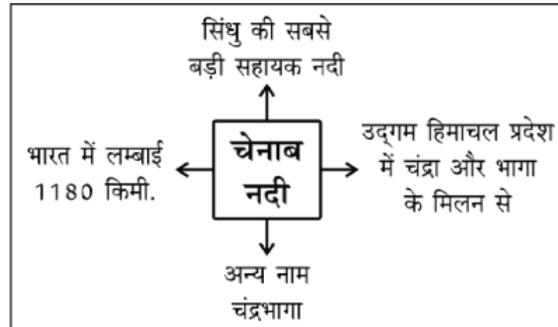
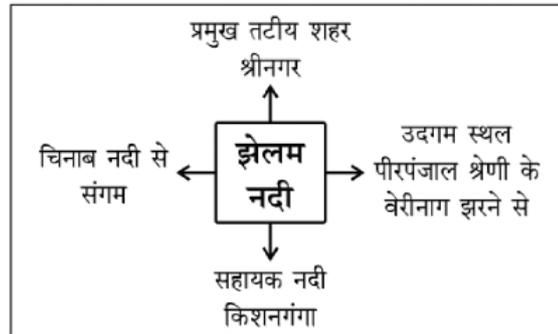
अपवाह तंत्र (Drainage System) – वाहिकाओं के जाल को अपवाह तंत्र कहा जाता है।

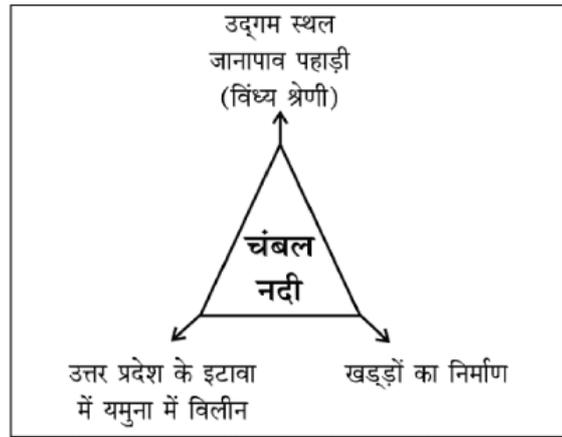
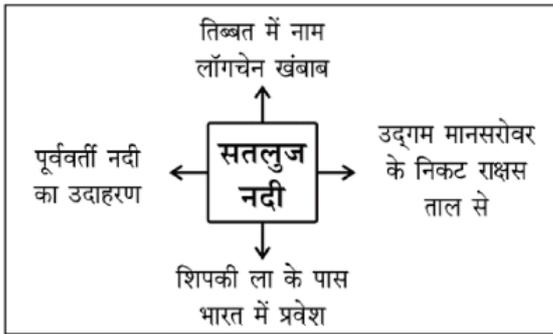
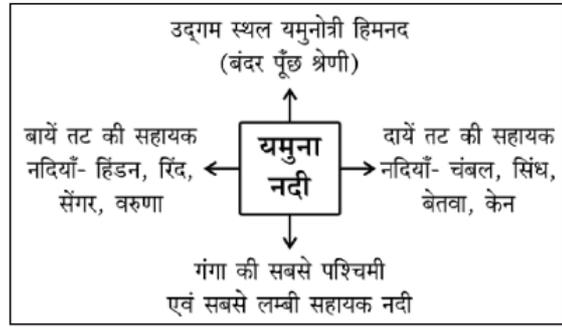
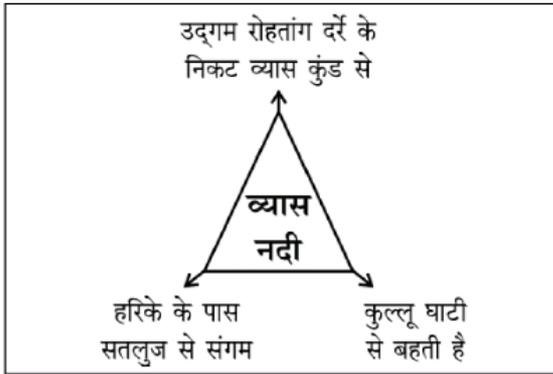


सिंधु नदी तंत्र

सिंधु नदी

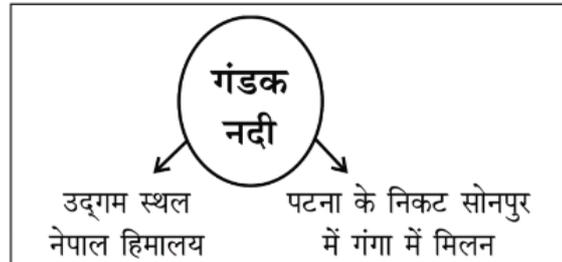
- उद्गम – कैलाश पर्वत श्रेणी बोखुर चू के निकट एक हिमनद से
- कुल लम्बाई – 2880 किमी. (भारत में - 1114 किमी.)
- यह भारत में हिमालयी नदियों में सबसे पश्चिमी नदी है
- तिब्बत में इसका नाम – सिंगी खंबान या शेरमुख
- दायें तट की सहायक नदियाँ – गिलगित, श्योक, काबुल
- बायें तट की सहायक नदियाँ – पंचनद (सतलुज, व्यास, रावी, चेनाब और झेलम), जास्कर
- यह कराची के पूर्व में अरब सागर में गिरती है।



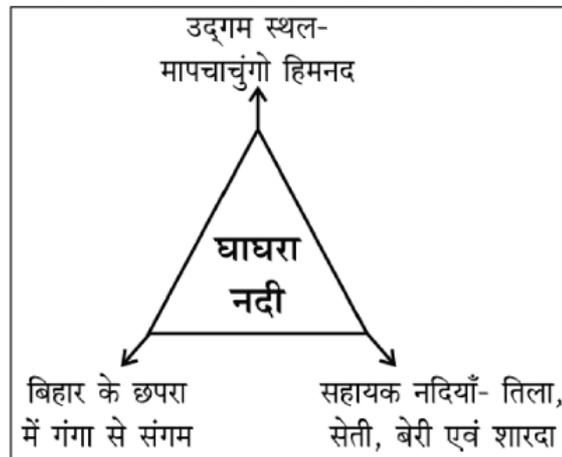


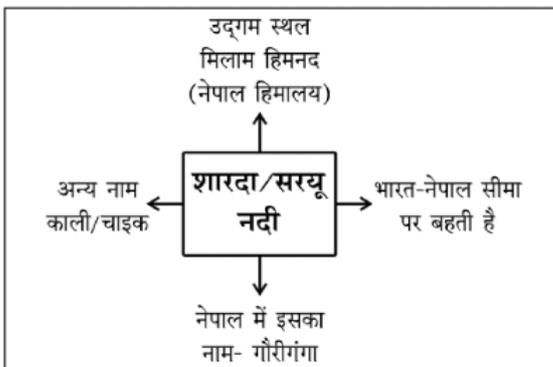
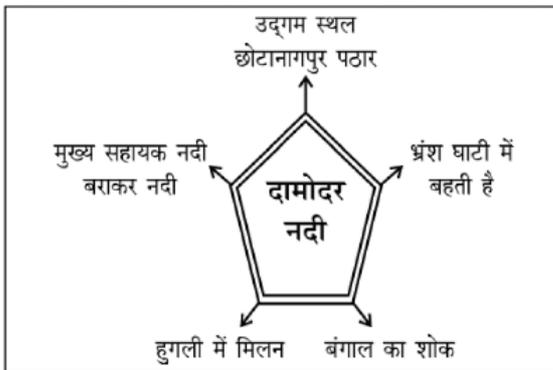
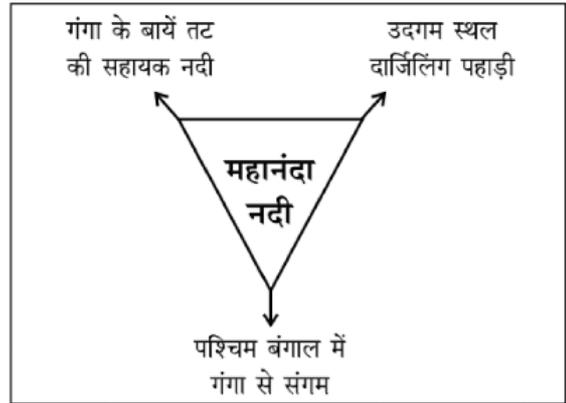
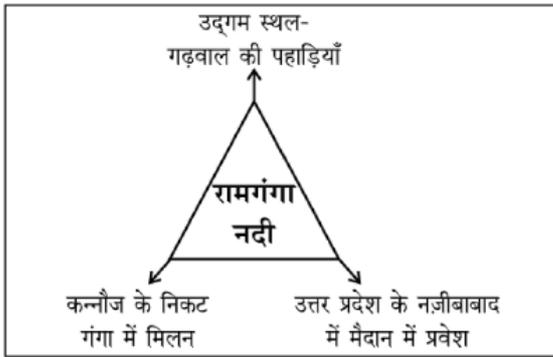
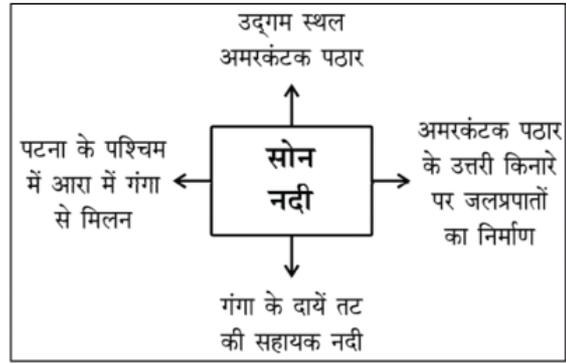
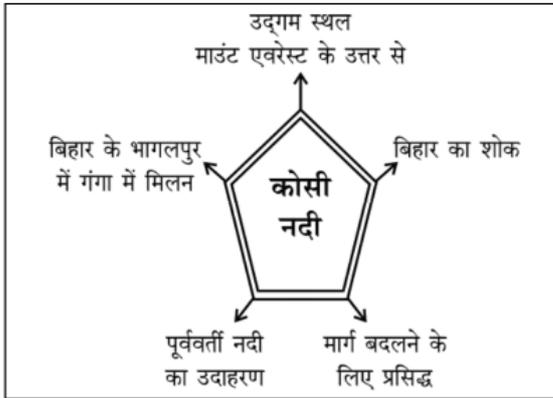
गंगा नदी तंत्र

- पूर्ववर्ती अपवाह का उदाहरण
- भारत के सबसे बड़े अपवाह तंत्र का निर्माण
- उद्गम – उत्तराखण्ड में गोमुख के पास गंगोत्री हिमनद से
- प्रारम्भ में नाम – भागीरथी
- देवप्रयाग में अलकनंदा से मिलन के बाद गंगा कहलाती है
- हरिद्वार में मैदानी भाग में प्रवेश
- कुल लम्बाई – 2525 मीटर (भारत की सबसे लम्बी नदी)
- बायें तट की सहायक नदियाँ – रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी व महानंदा
- दायें तट की सहायक नदियाँ – यमुना, सोन
- बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- अन्य नाम – पदमा, मेघना



पंचप्रयाग	
विष्णु प्रयाग	अलकनंदा + धौली गंगा
नंद प्रयाग	अलकनंदा + नंदाकिनी
कर्ण प्रयाग	अलकनंदा + पिंडार
रूद्र प्रयाग	अलकनंदा + मंदाकिनी
देव प्रयाग	अलकनंदा + भागीरथी





ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र

ब्रह्मपुत्र नदी

- उद्गम – चेमायुंगडुंग हिमनद (कैलाश पर्वत श्रेणी में मानसरोवर झील के निकट)
- अपवाह क्षेत्र – अरुणाचल प्रदेश, असम
- बायें तट की सहायक नदियाँ – दिबांग (सिकांक), लोहित, बूढ़ी दिहांग, धनसिरी
- दायें तट की सहायक नदियाँ – सुबनसिरी, कामेंग, मानस, संकोश
- अन्य नाम – तिब्बत में - सांगपो, अरुणाचल प्रदेश में - दिहांग (सियांग), असम में - ब्रह्मपुत्र, बांग्लादेश में - जमुना
- ब्रह्मपुत्र नदी बांग्लादेश में पद्मा (गंगा) से मिलती है
- गंगा एवं ब्रह्मपुत्र मिलकर विश्व के सबसे बड़े डेल्टा (सुंदरवन डेल्टा) का निर्माण करती हैं।

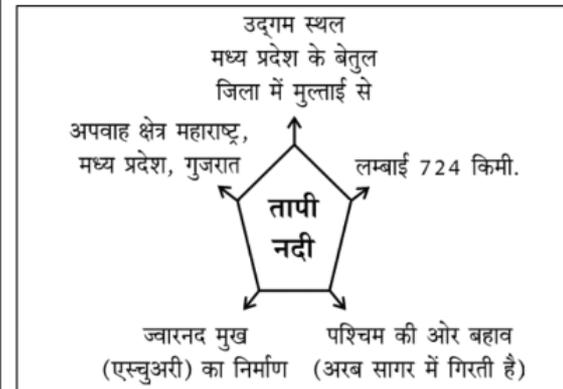
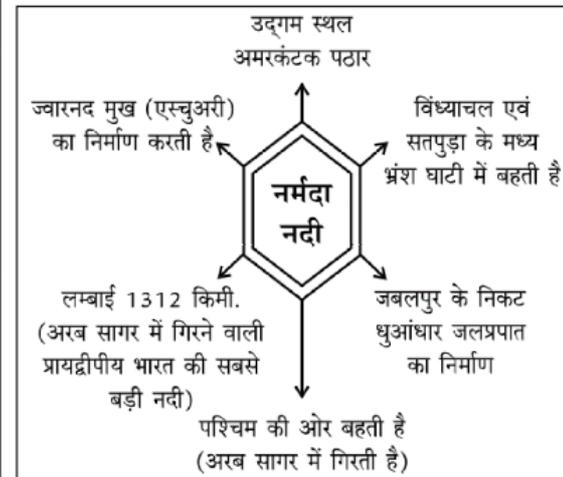
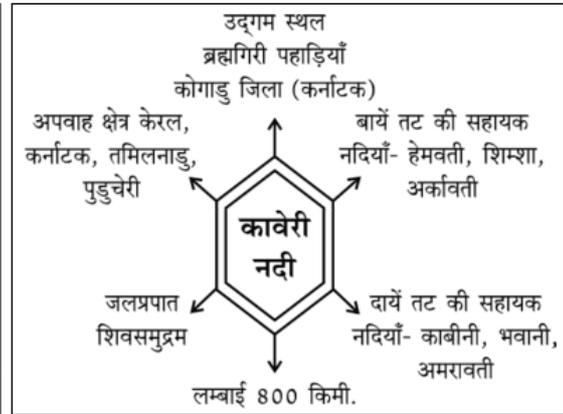
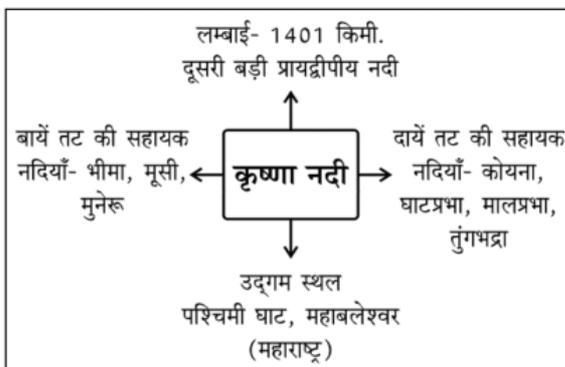
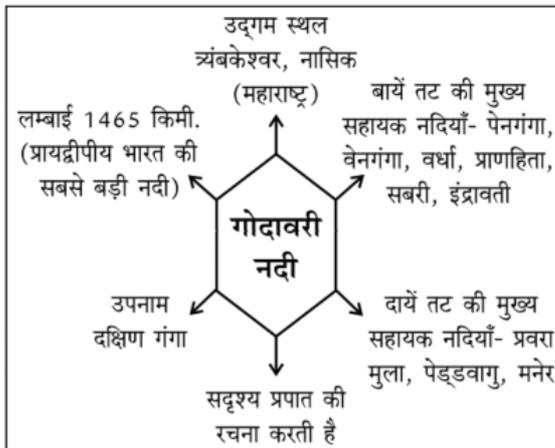
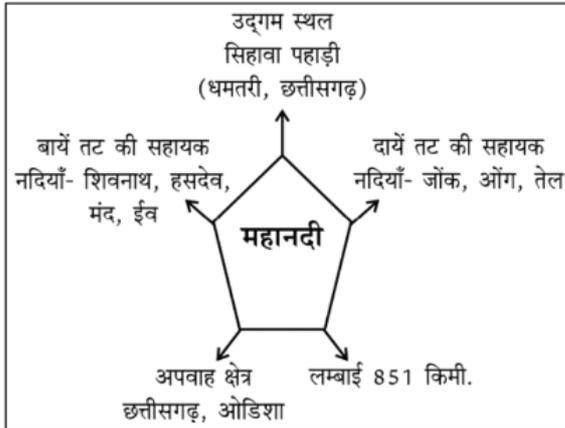
सुबनसिरी नदी

- उद्गम – तिब्बत क्षेत्र से
- अपवाह क्षेत्र – अरुणाचल प्रदेश, असम
- पूर्ववर्ती नदी



प्रायद्वीपीय नदी तंत्र

प्रायद्वीपीय नदियाँ		
	बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली	अरब सागर में गिरने वाली
प्रमुख नदियाँ	महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी आदि	नर्मदा, ताप्ती, माही आदि
निर्माण	डेल्टा का	ज्वारनद मुख (Estuary) का



नदियों के किनारे स्थित प्रमुख शहर	
नदी	किनारे स्थित शहर
गंगा	हरिद्वार, फतेहपुर, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, भागलपुर, पटना
यमुना	नई दिल्ली, आगरा, मथुरा, इटावा
कृष्णा	विजयवाड़ा
मूसी	हैदराबाद

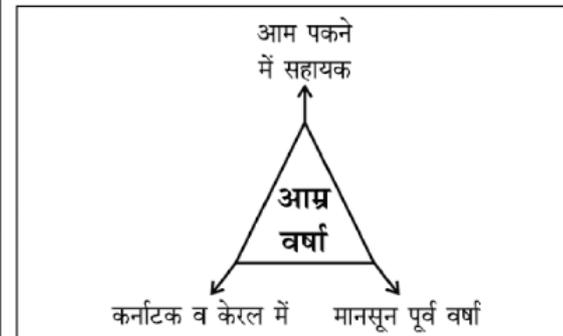
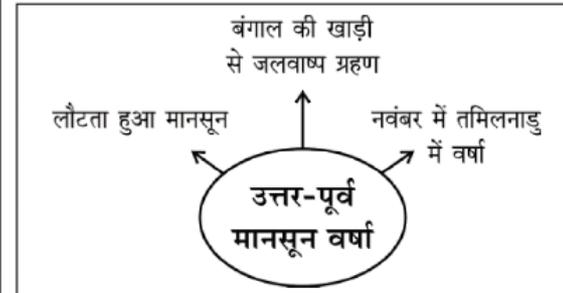
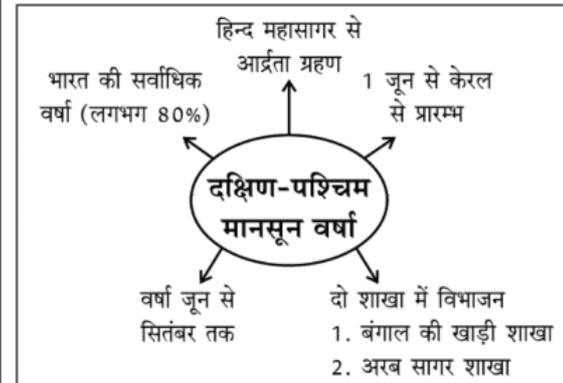


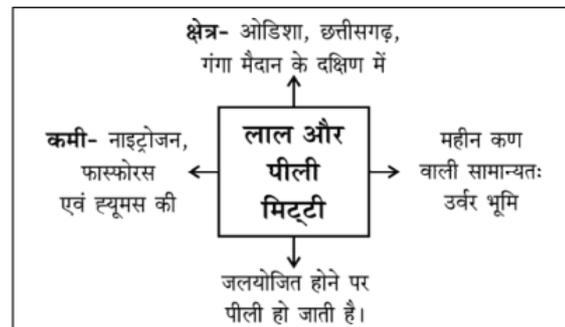
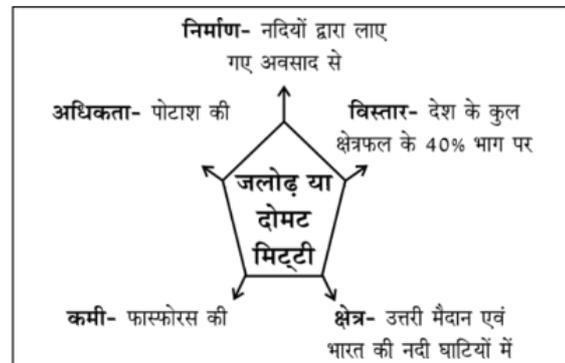
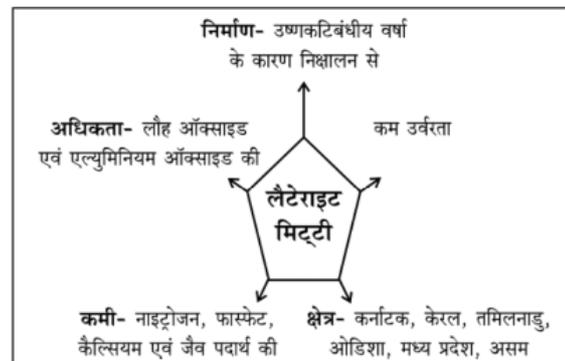
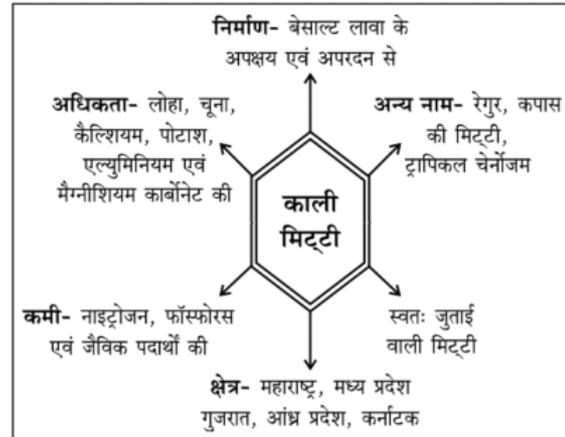
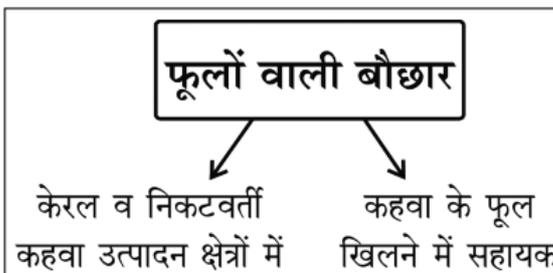
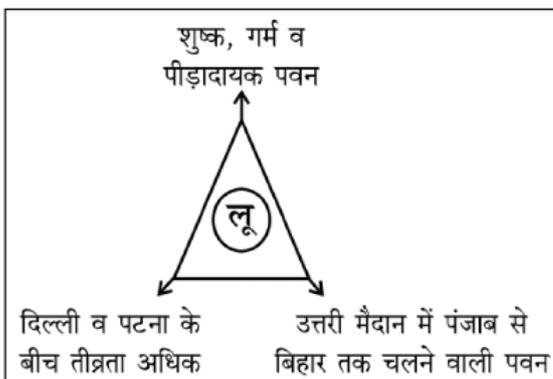
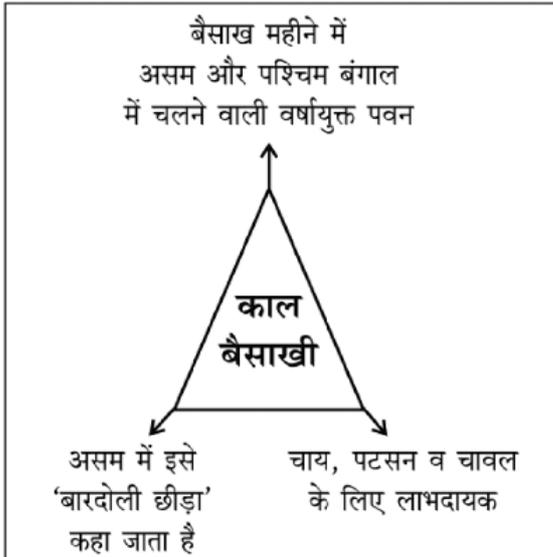
गोदावरी	नासिक, नांदेड़, राजमुंदरी
रामगंगा	बरेली
राप्ती	गोरखपुर
सरयू	अयोध्या
गोमती	लखनऊ
सिंधु	लेह
झेलम	श्रीनगर
सतजल	लुधियाना
साबरमती	अहमदाबाद, गांधीनगर
ताप्ती	सूरत, बेतूल
स्वर्णरेखा	जमशेदपुर
महानदी	कटक
चंबल	कोटा
ब्रह्मपुत्र	गुवाहाटी, डिब्रूगढ़
क्षिप्रा	उज्जैन
नर्मदा	जबलपुर

भारत के प्रमुख जलप्रपात		
जलप्रपात	सम्बन्धित नदी	सम्बन्धित राज्य
शिवसमुद्रम	शरावती	कर्नाटक
धुआंधार	नर्मदा	मध्य प्रदेश (जबलपुर)
दूध सागर	मांडवी	गोवा और कर्नाटक की सीमा पर
कपिलधारा, दुग्धधारा	नर्मदा	मध्य प्रदेश
चूलिया	चंबल	राजस्थान
हुंडरू	स्वर्णरेखा	झारखण्ड (राँची)
चित्रकूट	इंद्रावती	छत्तीसगढ़ (बस्तर)
जोग/गरसोप्पा	शरावती	कर्नाटक
कुंचीकल	वराही	कर्नाटक (शिमोगा)

भारत की प्रमुख झीलें	
झील	सम्बन्धित राज्य
वेम्बनाड, अष्टमुडी	केरल
चिल्का	ओडिशा
वूलर	जम्मू और कश्मीर
पुष्कर	राजस्थान (अजमेर)
सांभर	राजस्थान
लोकटक	मणिपुर
कोलेरू	आन्ध्र प्रदेश
पुलिकट	तमिलनाडु एवं आन्ध्र प्रदेश
पेरियार	केरल
चिल्का	ओडिशा
डिडवाना	राजस्थान

बहु-उद्देशीय नदी घाटी परियोजनायें		
परियोजना	नदी	अवस्थिति
सरदार सरोवर परियोजना	नर्मदा	गुजरात
भाखड़ा नांगल परियोजना	सतलुज	हिमाचल प्रदेश
शिवसमुद्रम जलविद्युत परियोजना	कावेरी	कर्नाटक
नागार्जुन सागर परियोजना	कृष्णा	आन्ध्र प्रदेश
हीराकुण्ड परियोजना	महानदी	ओडिशा
इडुक्की परियोजना	पेरियार	केरल
मयूराक्षी परियोजना	मयूराक्षी	पश्चिम बंगाल
माताटीला परियोजना	बेतवा	उत्तर प्रदेश
पोचमपाद परियोजना	गोदावरी	तेलंगाना
रिहंद परियोजना	रिहंद	उत्तर प्रदेश
टिहरी परियोजना	भागीरथी	उत्तराखण्ड
चंबल परियोजना	चंबल	राजस्थान, मध्य प्रदेश





प्राकृतिक वनस्पति

भारत में वनों के प्रकार

1. उष्ण कटिबंधीय सदाबहार एवं अर्द्ध-सदाबहार वन

- 200 सेंटीमीटर से अधिक वर्षा क्षेत्र में
- क्षेत्र - पश्चिमी घाट का पश्चिमी ढाल, उत्तर-पूर्व क्षेत्र की पहाड़ियाँ और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
- पाये जाने वाले वृक्ष - रोजवुड, महोगनी, ऐनी, ऐबनी आदि
- वर्ष भर हरे भरे दिखाई देते हैं।

2. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन (मानसूनी वन)

- 70 से 200 सेमी. वर्षा क्षेत्र में
- दो प्रकार के होते हैं
 - आर्द्र पर्णपाती वन**
 - 100 से 200 सेमी. वर्षा क्षेत्र में
 - क्षेत्र - उत्तर पूर्वी राज्य, हिमालय के गिरीपद, पश्चिमी घाट का पूर्वी ढाल और ओडिशा
 - प्रमुख वृक्ष - सागवन, साल, शीशम, महुआ, आँवला आदि
 - शुष्क पर्णपाती वन**
 - 70 से 100 सेमी. वर्षा क्षेत्र में
 - क्षेत्र - प्रायद्वीपीय पठार का अधिक वर्षा क्षेत्र, उत्तर प्रदेश, बिहार
 - पाये जाने वाले वृक्ष - तेंदु, पलास, बेल, खैर आदि

3. उष्ण कटिबंधीय कांटेदार वन

- 50 सेमी. से कम वर्षा क्षेत्र में
- क्षेत्र - दक्षिणी-पश्चिमी पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश
- पाये जाने वाले वृक्ष - बबूल, खेर, खजूर, खैर, नीम, खेजड़ी, पलास आदि

4. पर्वतीय वन

- क्षेत्र - हिमालय पर्वत एवं दक्षिण भारत के पर्वतों पर
- शोलास - नीलगिरी, अन्नामलाई और पालनी पहाड़ियों पर पाये जाने वाले वन

5. वेलांचली व अनूप वन

- विस्तार - 6740 वर्ग किमी. क्षेत्र पर
 - आर्द्रभूमि क्षेत्रों, डेल्टाई क्षेत्रों एवं समुद्र तटीय क्षेत्रों में

भारत की प्रमुख जनजातियाँ	
राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश	जनजातियाँ
उत्तर प्रदेश	थारू, राजी, खरवार, बुक्सा, भोटिया
बिहार	असुर, बिरहोर, खरिया, कोरवा
झारखण्ड	उराव, हो, बिरहोर, खरवार, असुर, बैगा, भूमिज, खोंड, कोरवा
मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़	कोरवा, कमार, सहारिया, बैगा, बिरहोर

राजस्थान	मीणा, भील, सहारिया, गरासिया, दमोर, पटेलिया, मंगानियर
उत्तराखण्ड	भोटिया, थारू, जौनसारी, बुक्सा, राजी
तमिलनाडु	कोटा, इरूलर, पनियन, टोडा
ओडिशा	बिरहोर, जुआंग, बोंडो, खरिया
कर्नाटक	कुरुबा, कोरागा, जेनु
गुजरात	सिद्दी, कोतवालिया, कोलघा
पश्चिम बंगाल	टोटो, लोधा, बिरहोर
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	शोम्पेन, जारवा, सेंटनली, आंगे, ग्रेट अंडमानी

भारत की प्रमुख जनजातियाँ एवं निवास क्षेत्र

भील	गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान
गोंड	बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, गुजरात, कर्नाटक
गद्दी	हिमाचल प्रदेश
संथाल	बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, त्रिपुरा
मुंडा	बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा
कोरवा	झारखण्ड, छत्तीसगढ़
कोल	बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा

कृषि : कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

भारत का विभाजन → 20 कृषि पारिस्थितिक क्षेत्रों में
मिश्रित कृषि → कृषि + पशुपालन
अंतर्फलसी खेती → एक ही भूमि पर एक साथ दो या अधिक फसलें उगाना
एगमार्क → कृषि उत्पादों की गुणवत्ता का प्रमाण

भारत में झूमिंग कृषि के क्षेत्रीय नाम

झूम	उत्तर-पूर्व भारत (असम, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड)
पामलू	मणिपुर
दीपा	छत्तीसगढ़, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
बेवर या दहिया	मध्य प्रदेश
पोडु या पेंडा	आन्ध्र प्रदेश
पामाडाबी या कोमान या बरीगाँ	ओडिशा
कुमारी	पश्चिमी घाट
वालरे या वाल्तरे	दक्षिण-पूर्वी राजस्थान
खिल	हिमालयन क्षेत्र
कुरुवा	झारखण्ड



विश्व में झूमिंग कृषि के क्षेत्रीय नाम	
मिल्पा	मैक्सिको और मध्य अमेरिका
कोनुको	वेनेजुएला
रोका	ब्राजील
मसोले	मध्य अफ्रीका
लदांग	इंडोनेशिया
रे	वियतनाम

खानिज-कुछ प्रमुख तथ्य

- आर्कियन युग की धारवाड़ क्रम की चट्टानों सर्वाधिक खनिज सम्पन्न चट्टानें हैं।
- ईंधन खनिज, कोयला तथा पेट्रोलियम अवसादी शैलों की चट्टानों में पाई जाती है।
- छोटा नागपुर को भारत का रूर प्रदेश कहा जाता है।

प्रमुख खनिज संस्थान

- हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड - खेतड़ी
- हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड - उदयपुर
- भारतीय खान ब्यूरो - नागपुर
- राष्ट्रीय धातु कर्म प्रयोगशाला- जमशेदपुर (बर्माइन्स क्षेत्र)
- केन्द्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान केन्द्र - धनबाद
- खनिज अन्वेषण निगम लिमिटेड - नागपुर

लौह खनिज

- लौह अयस्क के कुल आरक्षित भंडारों का लगभग 95% भाग ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गोवा, आन्ध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु राज्यों में पाया जाता है।
- लौह अयस्क चार प्रकार का होता है
 - हेमेटाइट (Fe_2O_3)
 - मैग्नेटाइट (Fe_3O_4)
 - लाइमोनाइट [$2Fe_2O_3 \cdot 3H_2O$]
 - सिडेराइट (Fe_2CO_3)
- हेमेटाइट अयस्क को 'लोहे का आक्साइड' भी कहते हैं। इसका रंग 'लाल गेरुआ' होता है।
- यह मुख्यतः धारवाड़ और कुडप्पा शैलों में पाया जाता है।

लौह अयस्क का प्रादेशिक वितरण

- ओडिशा-मयूरभंज जनपद के गुरुमहिसानी तथा बादाम पहाड़ क्षेत्र, क्योँझर जिले के किरूबरू, सुन्दरगढ़ जिले के मालंग टोली कंडाधा पहाड़
- कर्नाटक-बेल्लारी, चित्रदुर्ग, चिकमंगलूर, शिमोगा, बाबाबूदन पहाड़ी, धारवाड़ क्षेत्र से
- छत्तीसगढ़-राजनंदगांव, बैलाडिला श्रेणी, जगदलपुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, दुर्ग

- झारखंड-नोआमुण्डी, डाल्टनगंज, सिंहभूमि जिला
- आंध्र प्रदेश- कृष्णा, कुर्नूल, कुडप्पा एवं नेल्लौर क्षेत्र में
- महाराष्ट्र-पीपलगांव, असोला, देवलगांव सूरजगढ़ आदि।

खनिज का नाम	प्राप्ति स्थल	राज्य
मैंगनीज	क्योँझर, सुन्दरगढ़, कोरापुट, कालाहांडी	ओडिशा
	भंडारा, नागपुर, डोंद्वारी, टिरोडी	महाराष्ट्र
	बालाघाट, छिंदवाड़ा, झाबुआ, जबलपुर, देवास	मध्य प्रदेश
तांबा	खेतड़ी (झंझनू जिला) सिंघाना क्षेत्र, खो-दरीबा, देलवारा-कोरोवली, दरीबा आगुचा	राजस्थान
	सिंह भूमि जिले में मोसाबानी, राखा, धोबानी, तुरमडीह	झारखंड
बॉक्साइट	कालाहांडी, कोरापुट जिले में (देश का वृहत्तम क्षेत्र)	ओडिशा
	भावनगर, जूनागढ़ और अमरेली जिला	गुजरात
	लोहरदगा, नेतरहाट पठार	झारखंड
क्रोमाइट	सुकिन्दा घाटी (कटक जिला) नौसाही (क्योँझर जिला)	ओडिशा
	हासन, मैसूर, चित्रदुर्ग, शिमोगा, चिकमंगलूर	कर्नाटक
सीसा	उदयपुर जिले का जावर क्षेत्र दरीबा-राजपुरा (भीलवाड़ा), तारागढ़ पहाड़ी (अजमेर), जोधावास (अलवर जिला)	राजस्थान
जस्ता	जावर क्षेत्र (उदयपुर जिला) (देश का सबसे बड़ा) पाली, भरतपुर और सवाई माधोपुर	राजस्थान
	भोतंग क्षेत्र	सिक्किम
सोना	कोलार जिला, रायचूर जिला की छट्टी, तोपुलेददी व वोन्डली खदानें (देश का 99% सोना यहीं से उत्पादित किया जाता है।)	कर्नाटक
चांदी	उदयपुर एवं चित्तौड़गढ़ की जस्ता खानें	राजस्थान
	कोलार तथा हट्टी की खान सिंहभूमि, धनबाद और दुमका जिला	झारखंड

- कोयला को चार प्रकारों में विभाजित किया गया है (कार्बन की मात्रा के अनुसार)
- (1) एन्थ्रेससाइट (90-93% कार्बन की मात्रा) (2) बिटुमिनस (55-80%) (3) लिग्नाइट (40-55%) (4) पीट (40% से कम)
- देश का 90% कोयला गोंडवाना क्षेत्र से निकाला जाता है इस क्षेत्र से सर्वाधिक मात्रा में बिटुमिनस कोयले की प्राप्ति होती है।
- 'एन्थ्रेससाइट' कोयले का सबसे कठोर एवं चमकीला रूप है।
- लिग्नाइट कोयले का सर्वाधिक भण्डारण एवं उत्पादन तमिलनाडु राज्य में है।



राज्य	कोयला क्षेत्र
छत्तीसगढ़	सोनहट, सोहागपुर, कोरबा, तातापानी, रामकोला
झारखंड	रानीगंज, झरिया, डाल्टेनगंज, देवघर, उत्तरी कर्णपुरा
मध्य प्रदेश	सिंगरौली, सोहागपुर, उमरिया
ओडिशा	तलचर, ईब नदी
असम	मिकिर पहाड़ी, सिंगरीमारी
सिक्किम	रंगित घाटी
पश्चिम बंगाल	रानीगंज, बारजोरा, बीर भूमि
मेघालय	खासी पहाड़ी, बापूंगा, मावलॉंग शिलिया, सिजू
तेलंगाना	गोदावरी घाटी, सिंगरेनी

प्राकृतिक गैस के क्षेत्र

- जगतिया एवं घोघा (गुजरात), मंगमडम, अवाड़ी, विरूगंबकम (तमिलनाडु), बरानुरा (त्रिपुरा), नहरकटिया, मोरान क्षेत्र (असम), बाइमेर, चरसंवाला (राजस्थान) नान-चिक, मिआओ पुंग (अरूणाचल प्रदेश), कृष्णा, गोदावरी बेसिन।

- भारत में कच्चे खनिज तेल उत्पादन के चार क्षेत्र हैं
- (1) ब्रह्मपुत्र घाटी (2) गुजरात तट (3) पश्चिमी तट (4) पूर्वीतट
- ब्रह्मपुत्र घाटी देश का सबसे पुराना तेल उत्पादक क्षेत्र है।

भारत की प्रमुख रिफाइनरी

रिफाइनरी	स्थापना वर्ष	राज्य
डिग्बोई	1901	असम
गुवाहाटी (नूनमती)	1962	
बोंगईगांव	1979	
नुमालीगढ़	1999	
मनाली	1969	तमिलनाडु
नागपट्टीनम	1993	
मुंबई (ट्राम्बे)	1954	महाराष्ट्र
मुंबई (ट्राम्बे)	1955	
विशाखापत्तनम	1957	आंध्र प्रदेश
तातीपाका	2001	
कोच्चि	1966	केरल
पारादीप	2016	ओडिशा
हल्दिया	1975	पश्चिम बंगाल

मथुरा	1982	उत्तर प्रदेश
पानीपत	1998	हरियाणा
बरौनी	1964	बिहार
मंगलोर	1988	कर्नाटक
कोयली	1965	गुजरात

प्रमुख इस्पात संयंत्र एवं उनकी स्थापना

- भिलाई (छत्तीसगढ़)-स्थापना, 1955 (रूस की सहायता से)
- राउरकेला (ओडिशा)-स्थापना, 1959 (जर्मनी की सहायता से)
- दुर्गापुर (प. बंगाल)-स्थापना, 1959 (ब्रिटेन की सहायता से)
- बोकारो (झारखण्ड)-स्थापना, 1964 (रूस की सहायता से)

भारत की प्रमुख एल्युमिनियम कंपनियाँ

एल्युमिनियम कंपनी	सहायक देश	प्रमुख केन्द्र
INDALCO (1938)	कनाडा	<ul style="list-style-type: none"> जे. के. नगर (प. बंगाल) मुरी (झारखण्ड) अल्वाय (केरल)
HINDALCO (1958)	सं. राज्य अमेरिका	रेणुकूट (उ. प्र.)
BALCO (1965)	सोवियत संघ	<ul style="list-style-type: none"> कोरबा (छत्तीसगढ़) कोयना (महाराष्ट्र)
MALCO- (1965)	इटली	चेन्नई, मेट्टूर, सलेम (तमिलनाडु)
VEDANTA (1976)	जर्मनी	झारसुगुडा (ओडिशा)
NALCO (1981)	फ्रांस	<ul style="list-style-type: none"> दामनजोड़ी (उड़ीसा) अंगुल (उड़ीसा)

राष्ट्रीय राजमार्ग

- भारत में कुल सड़क की लम्बाई का लगभग 2.1%
- कुल सड़क यातायात का 40% वहन
- सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग- NH-27 EW (4112.62 Km.)

भारत में कुल रेलवे जोन → 18

राष्ट्रीय जलमार्ग

- भारत में कुल राष्ट्रीय जलमार्ग 111
- सबसे लम्बा राष्ट्रीय जलमार्ग NW-4 (2890 Km.)



On Play Store
Install App
Rajasthan 360

राजस्थान क्लासेज

राजस्थान GK :- A to Z

FREE
LIVE

आदर्श सर द्वारा राजस्थान GK का गहन अध्यापन



RAJASTHAN CLASSES



@RAJASTHANCLASSES

2.02 lakh subscribers • 3.3K videos

प्रतिदिन Rajasthan GK क्लास देखने के लिए Subscribe करें



RAJASTHAN CLASSES

@rajasthanclasses

11.2K

Subscribers

279

Photos

6

Videos

540

Files

4.94K

Links

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु हमारे साथ जुड़े रहे, डेली सुबह 9 एवं शाम 9 बजे लाइव क्लासेज होती है, Website link -

<https://rajasthanclasses.in/>



DOWNLOAD TELEGRAM

About

Blog

Apps

Platform



Download More PDF's

WWW.RAJASTHANCLASSES.IN